महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

वाणिज्य में स्नातक (बी.कॉम.)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यचर्या संरचना (LOCF)

2022

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of1997)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

1.विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधान संख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and group interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research hand to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वद्यिालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना;देश और विदेश में विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी का प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरूचि रखने वालें हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान कें लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Target of the school)

यह पाठ्यक्रम प्रबन्ध शास्त्र के मूल सिद्धान्तों, प्रक्रिया एवं व्यावहारिक पहलुओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन हेतु संचालित है। इस मूल उद्देश्य को केन्द्र में रखकर विभाग द्वारा प्रतिपादित अभीष्ट लक्ष्य निम्नवत है:

1) प्रबंधन शास्त्र के क्षेत्र में विद्यार्थियों के सैद्धान्तिक एवं अवधारणात्मक ज्ञान को समुन्नत करना,

2) औद्यागिक इकाइयों में अल्पकालीन प्रशिक्षण द्वारा विद्यार्थियों के व्यावहारिक कौशल एवं ज्ञान में अभिवृद्धि करना।

3) औद्योगिक इकाइयों एवं विभाग के बीच क्रियात्मक संबंध को विकसित करना।

4) विभागीय स्तर पर उद्यमिता विकास केन्द्र की स्थापना करना।

5) प्रबंध शास्त्र के विविध क्षेत्रों से संबंधित गहन शोध एवं अध्ययन को विकसित करना।

3. विभाग/केन्द्र की कार्य-योजना(Action plan of the Department/Center)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/ केन्द्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा:

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plan)
शिक्षण Teaching	● उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) MBA (नियमित)कार्यक्रम को संचालित करना
प्रशिक्षण (यदि कोई है) Training (if any)	द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा के उपरान्त प्रत्येक विद्यार्थी के व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि हेतु किसी औद्योगिक इकाई में प्रशिक्षण करना
शोध Research	(1) पी.एच.डी. प्रोग्राम के अन्तर्गत प्रवेशित शोध छात्रों का मार्ग-दर्शन करना। (2) अध्यापकों द्वारा लघु-शोध परियोजनाओं का क्रियान्वयन

ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	(1) कक्षा अध्यापन (2) विशेषज्ञों द्वारा चयनित विषयों पर व्याख्यान का आयोजन (3) व्यावसायिक क्रीड़ा आदि कार्यक्रमों का आयोजन (4) औद्योगिक व्यावसायिक इकाइकयों से संबंधित समस्याओं का 'Case study' विधि द्वारा समाधान प्रस्तुत करना। (5) शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन।
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	(1) पाठ्य-पुस्तकों का लेखन एवं प्रकाशन (2) विषय-विशेषज्ञों द्वारा लिखित सामग्री का प्रकाशन।

पाठ्यक्रम-विवरण

Teaching Programme

1. **विभाग/केन्द्र का नाम:** वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
   (Name of the Department/Centre)
2. **पाठ्यक्रम का नाम:**वाणिज्य में स्नातक(B.Com.)
   (Name of the Programme)
3. **पाठ्यक्रम कोड:**BC
   (Code of the Programme)

1. अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):
(Programme Learning Outcomes)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात् अध्येता **1.**प्रबंधन के अनुशासन के प्रमुख तथ्यों, सिद्धांतों, अवधारणाओं का ज्ञान, समझ व व्यवहार के स्तर पर प्रयोग में सक्षम हो सकेंगे| **2.** डेटा- आधारित निर्णय लेने और विश्लेषण करने में सक्षम हो सकेगा| **3.** व्यापार के वैश्विक, आर्थिक, कानूनी और व्यवहारिक पहलुओं को समझने विश्लेषण करने और संवाद करने की क्षमता का विकसित होगी | **4.** समकालीन विश्व (विशेषतया उत्तर कोविड काल) में वैश्विक और भारतीय अर्थव्यवस्था में होने वाले संरचनात्मक परिवर्तनों की समीक्षात्मक समझ विकसित होगी |	पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात् अध्येता **5.**व्यवसायिक कानून,नियोजन, विपणन, कंप्यूटर लेखा प्रणाली जैसे आधुनिक कौशल से युक्त हो सकेंगे **6.** पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात् अध्येताओं में वित्तीय लेखांकन एवं प्रबंधन के साथ आर्थिक व्यवसायिक समस्याओं को हल करने का कौशल का विकास होगा | **7.** पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात् अध्येताओं में प्रबंधन के अनुशासन में शोध एवं सृजनात्मक कौशलों का विकास हो सकेगा |	पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात् अध्येता **8.**अपने रूचि के क्षेत्रकों में विभिन्न उद्यमों को प्रारंभ करने में सक्षम होंगे **9.**सरकारी एवं गैर सरकारी क्षेत्रकों में अपने विशेषज्ञता के आधार पर रोजगार प्राप्त कर सकेंगे | **10.**सतत व्यवसायिक विकास हेतु अपने कौशलों को अद्यतन करते हुए अपने रोजगार के अवसरों को संवृद्ध करते रहेंगे| **11.**व्यवसायिक जगत की पेशेवर और रोजगार सम्बंधित चुनौतियों का सामना कर सकेंगे |

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत संचालित स्नातक (बी.कॉम) कार्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या संरचना

क्र.सं.	वर्ष	सेमेस्टर	पाठ्यचर्या				कुल क्रेडिट	उपाधि
			मूल (12 क्रेडिट – संस्था स्तर)			8 क्रेडिट (अन्य संस्था द्वारा)		
			विषय कोड	विषय	क्रेडिट			
1	पहला	पहला	बीसी 301	व्यापार संगठन एवं प्रबंधन	04	8 क्रेडिट (अन्य संस्था द्वारा)	20 क्रेडिट	सर्टिफिकेट
			बीसी 302	मूलभूत अर्थशास्त्र	04			
			बीसी 303	वित्तीय लेखांकन	04			
			अथवा					
			बीसी 304	बीमा सेवा				
2		दूसरा	बीसी 305	भारतीय अर्थव्यवस्था	04	8 क्रेडिट (अन्य संस्था द्वारा)	20 क्रेडिट	
			बीसी 306	उपभोक्ता व्यवहार	04			
			बीसी 307	वित्तीय अंकेक्षण	04			
			अथवा					
			बीसी 308	बैंकिंग सेवा				

#दूसरा सेमिस्टर सफलता पूर्वक पूर्ण करने के पश्चयात छात्रों उनके विषयो के चयन के आधार पर 1) वित्तीय लेखांकन और अंकेक्षण मे सर्टिफिकेट 2) बैंकिंग और बीमा सेवा मे सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

क्र.सं.	वर्ष	सेमेस्टर	पाठ्यचर्या				कुल क्रेडिट	उपाधि
			मूल (12 क्रेडिट – संस्था स्तर)			8 क्रेडिट (अन्य संस्था द्वारा)		
			विषय कोड	विषय	क्रेडिट			
3	दूसरा	तीसरा	बीसी 309	उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम	04	8 क्रेडिट (अन्य संस्था द्वारा)	20 क्रेडिट	डिप्लोमा
			बीसी 310	उद्यमिता विकास	04			
			बीसी 311	लागत लेखांकन	02			
			बीसी 312	ई – कॉमर्स	02			
4		चौथा	बीसी 313	माल एवं सेवा कर	04	8 क्रेडिट (अन्य संस्था द्वारा)	20 क्रेडिट	
			बीसी 314	आयकर कानून और व्यवहार	04			
			बीसी 315	प्रबंधकीय लेखांकन	02			
			बीसी 316	ई –विपणन	02			

क्र.सं.	वर्ष	सेमेस्टर	पाठ्यचर्या				कुल क्रेडिट	उपाधि
			मूल (12 क्रेडिट – संस्था स्तर)			8 क्रेडिट (अन्य संस्था द्वारा)		
			विषय कोड	विषय	क्रेडिट			
5	तीसरा	पांचवा	बीसी 317	वित्तीय प्रबंधन	04	8 क्रेडिट (अन्य संस्था द्वारा)	20 क्रेडिट	स्नातक
			बीसी 318	व्ययसायिक कानून	04			
			बीसी 319	कंम्पूटरीकृत लेखा प्रणाली	02			
			बीसी 320	बिक्री और वितरण प्रबंधन	02			
6		छठा	बीसी 321	विपणन प्रबंधन	04	8 क्रेडिट (अन्य संस्था द्वारा)	20 क्रेडिट	
			बीसी 322	अंतरराष्ट्रीय व्यापार	04			
			बीसी 323	कार्यशील पूंजी प्रबंधन	02			
			बीसी 324	व्यावसायिक सम्प्रेषण	02			

क्र.सं.	वर्ष	सेमेस्टर	ऑनर्स हेतु समूह अ – वित्तीय या समूह ब – विपणन किसी एक समूह का चयन करे				कुल क्रेडिट	उपाधि
			मूल (16 क्रेडिट – संस्था स्तर)			4 क्रेडिट (अन्य संस्था द्वारा)		
			विषय कोड	विषय	क्रेडिट			
7	चतुर्थ	सातवाँ	**समूह अ – वित्तीय**			4 क्रेडिट (अन्य संस्था द्वारा)	20 क्रेडिट	ऑनर्स
			बीसी 325	परियोजना प्रबंधन	04			
			बीसी 326	वित्तीय जोखिम प्रबंधन	04			
			बीसी 327	सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियो	04			
			बीसी 328	भारत मे वित्तीय प्रणाली	04			
			समूह ब – विपणन					
			बीसी 329	मीडिया प्रबंधन	04			
			बीसी 330	ब्रांड प्रबंधन	04			
			बीसी 331	सेवा विपणन	04			
			बीसी 332	खुदरा प्रबंधन	04			

क्र.सं.	वर्ष	सेमेस्टर	सातवाँ सेमेस्टर के अनुसार चयन करे				कुल क्रेडिट	उपाधि
			मूल (16 क्रेडिट – संस्था स्तर)			4 क्रेडिट (अन्य संस्था द्वारा)		
			विषय कोड	विषय	क्रेडिट			
8	चतुर्थ	आठवाँ	समूह अ – वित्तीय			4 क्रेडिट (अन्य संस्था द्वारा)	20 क्रेडिट	ऑनर्स
			बीसी 333	निवेश एवं पूंजी प्रबंधन	04			
			बीसी 334	कर योजना एवं प्रबंधन	04			
			बीसी 335	फण्ड आधारित वित्तीय	04			
			बीसी 336	वित्तीय नियामक सस्थाए	04			
			समूह ब – विपणन					
			बीसी 337	औद्योगिक विपणन	04			
			बीसी 338	वैश्विक व्यापार वातावरण	04			
			बीसी 339	विज्ञापन प्रबंध	04			
			बीसी 340	कार्यालय प्रबंधन एवं सचिवीय पद्धति	04			

क्र.सं.	वर्ष	सेमेस्टर	पाठ्यचर्या (स्नातक शोध के लिए)				कुल क्रेडिट	उपाधि
			विषय कोड	विषय	क्रेडिट			
7	चौथा	सातवाँ	बीसी 341	व्यवसायिक शोध के आधारभूत सिद्धांत	04	(स्नातक शोध के लिए)	20	स्नातक (शोध सहित)
			बीसी 342	व्यवसायिक शोध में परिणात्मक विधियाँ	04			
			बीसी 343	व्यवसायिक शोध में गुणात्मक विधियाँ	04			
			बीसी 344	शोध प्रस्ताव (Synopsis)	08			
8		आठवाँ	बीसी 345	व्यावसायिक शोध एवं नैतिकता	04	(स्नातक शोध के लिए)	20	
			बीसी 346	इंटरनेट शोध	04			
			बीसी 347	व्यावसायिक शोध के उदीयमान मुद्दे	04			
			बीसी 348	बाज़ार सर्वेक्षण प्रतिवेदन	08			

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

1.पाठ्यचर्याका नाम: व्यापार संगठन एवं प्रबंधन
(Name of the Course): Business Organization and Management

2 .पाठ्यचर्याकाकोड: बीसी 301
(Course Code) : BC 301

3.क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	12
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	60

5.पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

- भारतीय व्यवसाय के आधार ,उभरते अवसर ,उदारीकरण और वैश्वीकरण के भारत के अनुभव।
- व्यापारिक उद्यम (**Business Enterprises)** और अंतरराष्ट्रीय व्यापार।
- प्रबंधन और संगठन(**Management and Organization)** अवधारणा और प्रक्रिया।
- नेतृत्व, अभिप्रेरिणा और नियंत्रण (**Leadership, Motivation and Control)**
- प्रबंधन के कार्यात्मक क्षेत्रों (**Functional Areas of Management) –**विपणन ,वित्तीय और मानव संसाधन।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1.अध्येता व्यवसाय आधार ,विभिन्न सेवा क्षेत्र तकनीकी नवाचार के बारे मे जानेंगे और उनका अनुप्रयोग करने मे सक्षम होंगे।

2. सामाजिक दायित्व और नैतिकता यह अवधारणा का चिंतन कर सकेंगे।

3.अध्येता अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं बहुराष्ट्रीय कंपनी मध्य संबंध जानने के लिए अंतर्दृष्टि का विकास होगा।

4.प्रबंधन और संघठन की विभिन्न अवधारणा ओ का अध्ययन करने के बाद अध्येता मे चिंतन की क्षमता विकसित करना |

5. यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चयात अध्येता मे नेतृत्व गुण एवं संप्रेषण कौसल का विकास होगा।

6.प्रबंधन के कार्यात्मक क्षेत्र–विपणन ,वित्तीय और मानव संसाधन जानने और अनुप्रयोग करने मे सक्षम होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल -1	**भारतीय व्यवसाय के आधार ,उभरते अवसर ,उदारीकरण और वैश्वीकरण**	**08**				
	भारतीय व्यवसाय का आधार (Foundation of Indian Business) ● विनिर्माण और सेवा क्षेत्र (Manufacturing and service sectors) ● उदारीकरण और वैश्वीकरण के भारत के अनुभव (India's experience of liberalizationand		**01** **01**	**01**	**12**	**20%**

	globalization) • तकनीकी नवाचार और कौशल विकास (Technological innovations and skill development) . • सामाजिक जिम्मेदारी और नैतिकता (Social responsibility and ethics) • व्यवसाय में उभरते अवसर (Emerging opportunities in business)			**01**		
मॉड्यूल -02	• **व्यापारिकउद्यम (Business Enterprises**	**08**				
	• व्यवसाय संगठन के रूप (Forms of Business Organization) • सरकार - व्यवसाय इंटरफ़ेस (Government - Business Interface) • अंतरराष्ट्रीय व्यापार (International Business)अवधार		**01**	**01**	**12**	**20%**

	ना ,महत्व और चिंताए ● बहराष्ट्रीय कंपनियां (Multinational Corporations) ● भारत के आर्थिक विकास मे भूमिका , भारत की शीर्ष बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ		**01**	**01**		
मॉड्यूल -3	**प्रबंधन और संगठन (Management and Organization**	**08**				
	● प्रबंधन और संगठन (Management and Organization)अवधारणा ,उद्देश्य एवं महत्व ● प्रबंधन प्रक्रिया (The Process of Management) ● विकेंद्रीकरण (Decentralization) अवधारणा ,उद्देश्य और महत्व		**01** **01**	**01** **01**	**12**	**20%**

	• समूह और टीम (Groups and Teams)					
मॉड्यूल-04	नेतृत्व, अभिप्रेरिणा और नियंत्रण **(Leadership, Motivation and Control)**	**08**				
	• नेतृत्व : संकल्पना और शैली (Leadership: Concept and Styles) • अभिप्रेरणा संकल्पना और शैली (Motivation: Concept and Importance) • संप्रेषण: प्रकार,प्रक्रिया और बाधाएं (Communication: Process and Barriers) • नियंत्रण: अवधारणा और प्रक्रिया (Control: Concept and Process)		**01** **01**	**01** **01**	**12**	**20%**

मॉड्यूल -5	**प्रबंधन के कार्यात्मक क्षेत्र(Functional Areas of Management)** ● विपणन प्रबंधन: मूल अवधारणा (Marketing Management: Basic Concepts) ● वित्तीय प्रबंधन: मूल ● अवधारणा (Financial Management: Basic Concepts) ● मानव संसाधन प्रबंधन: मूल अवधारणा (Human Resource Management: Basic Concepts)	06	01 01 01	01 01 01	12	20%
योग		**38**	**11**	**11**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	**1.**निर्माणवादी उपागम **2.** आगमनात्मक उपागम **3.**निगमनात्मक उपागम **4.** एकीकृत उपागम **5.**चिंतशील **6.**अंतरानुशासनिक **7.**सहयोगपूर्ण **8.** ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	**1.** व्याख्यान-सहयोगात्मक अधिगम **2.**पृच्छा आधारित अधिगम
तकनीक	1. शोध आलेखों की समीक्षाकेंद्रित समूह चर्चा **2.** परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरणवृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण
उपादान	**1.**पावर पॉइंट प्रस्तुति **2.** ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) **3.**लैपटाप **4.**प्रोजेक्टर **5.**स्मार्टबोर्ड **6.** शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाममैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य 1**	**लक्ष्य 2**	**लक्ष्य 3**	**लक्ष्य 4**	**लक्ष्य 5**	**लक्ष्य 6**	**लक्ष्य 7**	**लक्ष्य 8**	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

टिप्पणी:

- ✓ -पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
- ✓ एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**
उत्तीर्ण अंक	**12**				**28**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	▪ Kaul, V.K., Business Organisation and Management, Pearson Education, New Delhi. ▪ Chhabra, T.N., Business Organisation and Management, Sun India Publications, New Delhi. ▪
2	संदर्भ-ग्रंथ	▪ Gupta CB, Modern Business Organisation, Mayur Paperbacks, New Delhi. ▪ Koontz and Weihrich, Essentials of Management, McGraw Hill Education. ▪ Badu, C.R. Business Organanization and Management, McGraw Hill Education. ▪ Jim, Barry, John Chandler, Heather Clark; Organisation and Management, Cengage Learning. ▪ B.P. Singh and A.K. Singh, Essentials of Management, Excel Books. ▪ Buskirk, R.H., et al; Concepts of Business: An Introduction to Business System, Dryden Press, New York. ▪ Burton Gene and Manab Thakur; Management Today: Principles and Practice; Tata McGraw Hill, New Delhi ▪ Griffin, Management Principles and Application, Cengage Learning
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. **पाठ्यचर्याका नाम:मूलभूत अर्थशास्त्र**
(Name of the Course)

2. **पाठ्यचर्याकाकोड:बीसी 302**
(Code of the Course)
3. **क्रेडिट: 044. सेमेस्टर: प्रथम**
(Credit) (Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	04
कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. **पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):**

- **अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणा** – यह पाठ्यचर्या के माध्यम से अर्थशास्त्र विषय की प्रमुख अवधारणाए को समझने के लिए छात्र को सक्षम बनाना और साथ ही यह विषय की परिभाषा ,महत्व ,दायरा ,माँग और आपूर्ति , माँग और आपूर्ति की लोच यह अवधारणाओ की समझ प्रदान करने का भी प्रयास करता है।
- **बाजार ढाँचा** –यह पाठ्यचर्या के माध्यम से बाजार ढाँचा,पूर्ण प्रतियोगिता ,एकाधिकार ,अपूर्ण प्रतियोगिता और अल्पाधिकार यह अवधारणाओ के बारे मे विश्लेषण एवं चर्चा की जाएगी।
- **राष्ट्रीय आय** – यह पाठ्यचर्या इस बात पर भी बल देती है की छात्रो को राष्ट्रीय आय जो अर्थव्यवस्था का प्रमुख आयाम है इसके बारे मे अवगत करना और वास्तविक संभावित जीडीपी और संतुलित जीडीपी की अवधारणाओ के बारे मे विश्लेषण एवं चर्चा की जाएगी।
- **मुद्रास्फीति की अवधारणा**- यह पाठ्यचर्या के माध्यम से मुद्रास्फीति, मुद्रास्फीति के कारण और बेरोजगारी की अवधारणा के बारे मे छात्रों की समझ विकसित करने मे मदत करेगी।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चयात अध्येता अर्थशास्त्र , महत्व एवं दायरा माँग और आपूर्ति , माँग और आपूर्ति की लोच की अवधारणाओ को समझ सकेंगे।
2. यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चयात अध्येता बाजार ढाँचा,पूर्ण प्रतियोगिता ,एकाधिकार ,अपूर्ण प्रतियोगिता और अल्पाधिकार यह अवधारणाओ के मध्य संबंध समझने के दृष्टि विकसित होंगी।

3. यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के बाद अध्ययनार्थी राष्ट्रीय आय ,राष्ट्रीय आय की गणना , वास्तविक संभावित जीडीपी और संतुलित जीडीपी जैसी महत्वपूर्ण अवधारणाओ बारे मे चिंतन करने मे भी सक्षम होंगे ।
4. यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के बाद अध्येता मे मुद्रास्फीति, मुद्रास्फीति के कारण ,मुद्रास्फीति की सामाजिक लागत और बेरोजगारी जैसी प्रमुख समस्याओ को समझने की दृष्टि विकसित होंगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणा** • अर्थशास्त्र – परिभाषा , महत्व , दायरा • मांग और आपूर्ति (Demand and Supply) • मांग और आपूर्ति का लोच (Elasticity of demand and supply)	12	01	**01** **01**	15	25 %
मॉड्यूल-2	**बाजार का ढांचा** (Market	12				

	Structure) • पूर्ण प्रतियोगिता **(**Perfect • Competition) • एकाधिकार **(**Monopoly) • अपूर्ण प्रतियोगिता: एकाधिकारात्मक प्रतिस्पर्धा और अल्पाधिकार**(**Imperfect Competition: Monopolistic Competition and Oligopoly)		01	01 01	15	25 %
मॉड्यूल-3	**राष्ट्रीय आय निर्धारण** (**National Income Determination)** • राष्ट्रीय आय की अवधारणा **(**Concept of National • वास्तविक और संभावित जीडीपी **(**Actual and potential	12	01	01	15	25 %

	GDP) • संतुलित जीडीपी **(**Equilibrium GDP) • हरित अर्थव्यवस्था **(Green Economy)**					
मॉड्यूल-4	**मुद्रास्फीति (**Inflation) • मुद्रास्फीति बढ़ने और गिरने के कारण **(**Causes of rising and falling inflation) • मुद्रास्फीति और ब्याज दर **(**inflation and interest rates) • मुद्रास्फीति की सामाजिक लागत **(**social costs of inflation)	12	01	01 01	15	25 %

	• बेरोजगारी (Unemployment) • सहस्त्राब्दी विकास लक्ष्य(Millennium Development Goals) • सतत विकास लक्ष्य(Sustainable Development Goals)					
योग		48	4	8	60	100%

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	**1.**निर्माणवादी उपागम, **2.** आगमनात्मक उपागम, **3.**निगमनात्मक उपागम **4.** एकीकृत उपागम, **5.**चिंतशील,**6.**अंतरानुशासनिक, **7.**सहयोगपूर्ण, **8.** ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	**1.** व्याख्यान-सह चर्चा, **2.**सहयोगात्मक अधिगम **2.** ऐतिहासिक विधि, **3.**पृच्छा आधारित अधिगम **4.**संगोष्टी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	**1.** संगोष्ठी/परिचर्चा,**2.** व्याख्यान-सह-चर्चा,**3.** केंद्रित समूह चर्चा, **4.** परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण,**5.** वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास,
उपादान	**1.**पावर पॉइंट प्रस्तुति, **2.** ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट)**3.**लैपटाप**4.**प्रोजेक्टर**5.**स्मार्टबोर्ड

	6. शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	X	✓	✓	✓	✓	X	✓	✓	✓

टिप्पणी:

- ✓ पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
  एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					सत्रांत परीक्षा (70%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**
उत्तीर्ण अंक	**12**				**28**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

\# विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	Baye, M. R. (2010). Microeconomics and business strategy. New York, NY: McGraw-Hill Irwin.
3	ई-संसाधन	https://www.youtube.com/watch?v=dbWazTFi0rw https://www.youtube.com/watch?v=KVv7BM6-ad8
4	अन्य	https://stats.oecd.org/ https://www.finmin.nic.in/ https://www.incometaxindia.gov.in/ https://www.sebi.gov.in/

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of1997)

1.पाठ्यचर्याका नाम:वित्तीय लेखांकन

(Name of the Course) :Financial Accounting

02 पाठ्यचर्याकाकोड: BC 303
(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 044.सेमेस्टर: द्वितीय
(Credit) (Semester): Second

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	49
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	06
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	03
कौशल विकास गतिविधियाँ	02
कुल क्रेडिटघंटे	60

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course) :

- **वित्तीय लेखांकन का परिचय-** अर्थ ,महत्व ,उद्देश्य और लेखकार की भूमिका।
- **लेखांकन सिद्धांत(Accounting Principles)-**स्वीकृत लेखांकन सिद्धांत और बुनयादी मान्यता और सिद्धान्त।
- **लेखा यांत्रिकी:बुनियादी रिकॉर्ड-** बुनियादी लेखा ,दोहरी लेखा ,जर्नल ,लेजर और सहायक पुस्तक।
- **अंतिम खातों की तैयारी (Preparation of Final Accounts)-** विनिर्माण लेखा,ट्रेडिंग खातेनफा और नुकसान खाता।
- **मूल्यह्रास, प्रावधान और भंडार(Depreciation, Provisions and Reserves)**-अर्थ ,महत्व और तरीके
- **भंडार: अर्थ, उद्देश्य और प्रकार।**

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

1. यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चयात अध्येता वित्तीय लेखांकन का मूलभूत परिचय और चुनौतियों के बारे मे जान सकेंगे।
2. लेखकार की भूमिकाके बारे मे चिंतन करने मे भी अध्येता सक्षम होंगे ।
3. स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतऔर बुनयादी मान्यता और सिद्धान्त को समझने की दृष्टि विकसित होंगी।

4. बुनियादी लेखा ,दोहरी लेखा ,जर्नल ,लेजर और सहायक पुस्तक के बीच मध्य संबंध को समझ सकेंगे ।
5. विनिर्माण लेखा ,ट्रेडिंग खाते तयार करने की प्रक्रियासमझ सकेंगे औरउन खातो मे आनेवाली समस्या दूर करने का कौशल विकसित होंगा ।
6. डेबिट और क्रेडिट के नियमके मध्य संबंध के बारे जान सकेंगे।
7. बैलेंस शीट निर्माण और अनुप्रयोग करने मे भी अध्येता सक्षम होंगे ।

. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल -1 वित्तीय लेखांकन का परिचय(Introduction to Financial Accounting)	• लेखांकन का अर्थ और गुंजाइश, लेखाकर्म, लेखा और बहीखाता (The meaning and scope of Accounting, Accountancy, Accounting and Book Keeping)	**10**			**12**	**20%**

	• लेखांकन की शाखाएं, लेखांकन के उद्देश्य, पूंजी और राजस्व आइटम (Branches of Accounting, Objectives Of Accounting , Capital and Revenue Items) • वित्तीय लेखा प्रक्रिया के आउटपुट, इन आउटपुटके उपयोगकर्ता, समाज में लेखाकार की भूमिका (The outputs of the Financial Accounting Process , The users of these outputs, Role of Accountant in the society)		**01**	**01**		

मॉड्यूल-2 लेखांकन सिद्धांत(Accounting Principles)	• स्वीकृत लेखांकन सिद्धांत(GAAP),बुनियादी मान्यता और सिद्धांत (Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) , Basic assumptions and Principles) • अवधारनाएं और कन्वेंशन (Concepts and Conventions)	**10**	**01**	**01**	**12**	**20%**
मॉड्यूल-3 लेखा यांत्रिकी:बुनियादी रिकॉर्ड (Accounting Mechanics	• बुनियादी लेखा यांत्रिकी,लेखा लेन-देन,लेखा बही,लेखा चक्र (Basic Accounting	**10**	**01**			

: Basic Records	Mechanics , Accounting Transactions , Books of Accounts, Accounting Cycle) • दोहरी लेखा प्रणाली,डेबिट और क्रेडिट के नियम,खातों के प्रकार,लेखांकन समीकरण (Double Entry System, Rules of Debit and Credit, Types of Accounts, Accounting Equation) • जर्नल, लेजर,सहायक पुस्तक,जर्नल प्रॉपर (Journal, Ledger, Subsidiary Books, Journal Proper) • कैशबुक का रखरखावऔर पैटी कैशबुक,बैंक			**01**	**12**	**20%**

	सुलह वक्तव्य (Maintenance of the Cashbook and Petty Cashbook, Bank Reconciliation Statements) • संतुलन परीक्षण,विनिमय का बिल (Trial Balance, Bills of exchange)					
मॉड्यूल 4:अंतिम खातों की तैयारी (Preparation of Final Accounts)	• विनिर्माण लेखा (Manufacturing Accounts) • ट्रेडिंग खाते (Trading Account) • नफा और नुकसान खाता, बैलेंस शीट की तैयारी (Profit and Loss account, Preparation of Balance	**09**	**01** **01**	**01**		

	Sheet) • बैलेंस शीट की सीमाएं(Limitations of Balance Sheet) • समायोजन के साथ अंतिम लेखा(Final Accounts with adjustments) • वित्तीय लेखा में समकालीन मामले(Contemporary cases in Financial Accounting)				**12**	**20%**
मॉड्यूल 5:मूल्यह्रास, प्रावधान और भंडार(Depreciation, Provisions and Reserves)	• मूल्यह्रास : अर्थ और जरूरत (Depreciation Meaning and need) • मूल्यह्रास लेखांकन, मूल्यह्रास चार्ज के तरीके (Depreciation Accounting, Methods of charging depreciation)	**10**	**01**	**01**	**12**	**20%**

	• भंडार: अर्थ, उद्देश्य और प्रकार, पूंजी और राजस्व भंडार, प्रावधान और रिजर्व के बीच भेद (Meaning, Objectives and Types of Reserves, Capital and Revenue Reserves, Distinction between Provision and Reserve)					
योग		**49**	**06**	**05**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

3. मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 12 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	**1.**निर्माणवादी उपागम**, 2.** आगमनात्मक उपागम**, 3.**निगमनात्मक उपागम **4.** एकीकृत उपागम**, 5.**चिंतशील, **6.**अंतरानुशासनिक**,** **7.**सहयोगपूर्ण**, 8.** ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	**3.** व्याख्यान-सह चर्चा**, 2.**सहयोगात्मक अधिगम **4.** ऐतिहासिक विधि**, 3.**पृच्छा आधारित अधिगम **4.**संगोष्टी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	**1.** संगोष्ठी/परिचर्चा**, 2.** व्याख्यान-सह-चर्चा, **3.** केंद्रित समूह चर्चा, **4.** परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण, **5.** वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास,

उपादान	**1.**पावर पॉइंट प्रस्तुति, **2.** ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) **3.**लैपटाप **4.**प्रोजेक्टर **5.**स्मार्टबोर्ड **6.** शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य 1**	**लक्ष्य 2**	**लक्ष्य 3**	**लक्ष्य 4**	**लक्ष्य 5**	**लक्ष्य 6**	**लक्ष्य 7**	**लक्ष्य 8**	**लक्ष्य 9**	**लक्ष्य 10**	**लक्ष्य 11**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	X	✓	✓

टिप्पणी:

- ✓ पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
  एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	10	10	
पूर्णांक	**30**				**70**
उत्तीर्ण अंक	**12**				**28**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

1.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Arora M.N. (2010). Accounting for Management .First Edition. Himalaya Publishing House, New Delhi. • Mukherjee and Hanif, (2003). Financial Accounting. First Edition. Tata McGraw Hill, New Delhi. • Ashok and Deepak, (2006). Fundamentals of Financial Accounting. Fifth Edition. Taxmann's, New Delhi.
3	ई-संसाधन	

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of1997)

1.पाठ्यचर्याका नाम:बीमा सेवा

(Name of the Course) :InsuranceService

02 पाठ्यचर्याकाकोड: BC 304
(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 044.सेमेस्टर: द्वितीय
(Credit) (Semester): Second

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	49
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	06
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**02**
कौशल विकास गतिविधियाँ	**03**
कुल क्रेडिटघंटे	**60**

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course) :

- **बीमापरिचय -**अवधारणा, आवश्यकता, बीमाक्षेत्रका महत्व एवं समस्याए और बीमा के मूलभूत सिद्धांत।
- **बीमाकंपनियोंकासंगठनात्मकढांचा-**एलआईसी ,जीआईएससी और निजी बीमा कंपनियाँ।
- **एजेंसी या शाखा प्रबंधक के प्रमुख कार्य।**
- **डेवलपिंग फील्ड फोर्स- एजेंट ,**विकास अधिकारी उनके कार्य,एकअच्छेप्रबंधककेविशिष्टगुण।
- **प्रशिक्षणऔरपर्यवेक्षण-** अवधारणा ,महत्व

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

1.यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चयात अध्येता बीमा का मूलभूत परिचय एवं समस्याओ के बारे मे जान सकेंगे।

2.प्रबंधक,विकास अधिकारी और एजेंट की भूमिकाके बारे मे चिंतन करने मे भी अध्येता सक्षम होंगे ।

3.बीमा के मूलभूत सिद्धांत और संघठनात्मक ढाँचा समझने की दृष्टि विकसित होंगी । 4.एलआईसी ,जीआईएससी और निजी बीमा कंपनियाँ। के बीच अंतर को समझ सकेंगे ।

5.आईआरडीए के कानूनी प्रावधान को समझ सकेंगे औरआनेवाली समस्या दूर करने का कौशल विकसित होंगा

6.आयु बीमा और सामान्य बीमा के मध्य संबंध के बारे जान सकेंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल -1 बीमा परिचय(Introduction to Insurance)	• बीमाकीअवधारणा, बीमाकीआवश्यकता, बीमाक्षेत्रकावैश्वीकरण, पुनर्बीमा, सहबीमा, समनुदेशन (Conceptof Insurance, Need for Insurance, Globalization of Insurance Sector, Reinsurance, Assignment) • बीमाअनुबंधकीप्रकृति, परमसद्भावकासि	**10**	**01**	**01**	**12**	**20%**

	द्धांत, बीमायोग्यहित, समीपस्थकारण (Nature of Insurance Contract, Principle of Utmost Good Faith, Insurable Interest, proximity cause) • योगदानऔर प्रस्थापन, क्षतिपूर्ति, बीमाअनुबंध केकानूनीपहलू(Contribution and subrogation, Indemnity, Legal Aspects of Insurance Contract)					
मॉड्यूल-2 बीमाकंपनियोंकासंगठनात्मकढांचा(Organizational Setup	• एलआईसी, जीआईसी और निजी बीमा कंपनियों का	**10**	**01**			

of Insurance Companies)	संगठनात्मक ढांचा (Organisational Setup of LIC, GIC and Private Insurers) • प्रत्यक्ष; सामान्य और शाखा एजेंसी (Direct General and Branch Agency) • सामान्य एजेंसियों और शाखा कार्यालय प्रणालियों की तुलना (Comparison of General Agencies and Branch Office Systems) • एजेंसी या शाखा प्रबंधक के प्रमुख कार्य (Major Tasks of the Agency or Branch Manager)			**01**	**12**	**20%**
मॉड्यूल-3 डेवलपिंगफील्डफोर्स (Developing Field	• एकशाखाप्रबंधककेकार्य (The executive	**10**	**01**			

Force)	body of the field force; Functions of a Branch Manager) • विकासअधिकारी; एजेंट (Development Officer, Agent) • एकअच्छेप्रबंधककेविशिष्ट गुण; विकासअधिकारीऔरएजेंट(Characteristics of a good manager, Development Officer and Agent)			**01**	**12**	**20%**
मॉड्यूल 4:एजेंटोंऔर विकासअधिकारियोंकीभर्ती	• भर्तीकेतरीके (Methods of	**09**	**01**			

(Recruitment of Agents and Development Officers)	Recruitment) • एजेंटोंऔरविकासअधिकारीकाचयन (Selection of Agents and Development Officer) • बिचौलियों/ मध्यवर्तीऔरकॉर्पोरेटचैनल (Intermediaries and Corporate Channels) • इससंबंधमेंआईआरडीएकेकानूनीप्रावधान (Legal Provisions of IRDA in this Regards)		**01**	**01**	**12**	**20%**
मॉड्यूल 5:प्रशिक्षण औरपर्यवेक्षण (Training and Supervision)	प्रशिक्षण और पर्यवेक्षण • उद्देश्य; नौकरीप्रोफ़ाइल(Purpose, Job Profile) • एजेंटोंऔरविकासअधिकारियोंकोविक	**10**	**01**			

	सितकरनेमेंक ठिनाइयों(Difficulties in Developing Agents and Development Officers) • प्रशिक्षणकेप्रकारऔरप्रक्रिया (Types and Process of Training)			**01**	**12**	**20%**
योग					**60**	**100%**

टिप्पणी:

5. मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
6. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 12 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	**1.**निर्माणवादी उपागम**, 2.** आगमनात्मक उपागम**, 3.**निगमनात्मक उपागम **4.** एकीकृत उपागम**, 5.**चिंतशील, **6.**अंतरानुशासनिक**,** **7.**सहयोगपूर्ण**, 8.** ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	**5.** व्याख्यान-सह चर्चा**, 2.**सहयोगात्मक अधिगम **6.** ऐतिहासिक विधि**, 3.**पृच्छा आधारित अधिगम **4.**संगोष्टी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	**1.** संगोष्ठी/परिचर्चा**, 2.** व्याख्यान-सह-चर्चा, **3.** केंद्रित समूह चर्चा, **4.** परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण, **5.** वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास,
उपादान	**1.**पावर पॉइंट प्रस्तुति**, 2.** ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम**,**

	गूगल मीट) **3.**लैपटाप **4.**प्रोजेक्टर **5.**स्मार्टबोर्ड **6.** शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	X	✓	✓

टिप्पणी:

- ✓ पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
  एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					सत्रांत परीक्षा (70%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05		08	
पूर्णांक	**30**				**70**
उत्तीर्ण अंक	**12**				**28**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

1.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Sadhak, Life Insurance in India, Response Books, ew Delhi . Dinsdale, W.A., Elements of Insurance, Pitaman.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Keneth Black, JR& Harold D. Skipper JR., Life and Health Insurance, Thirteen Ed. (2000), Pearson Education. 2. K.C. Mishra &C. S. Kumar, Life Insurance-Principles and Practice, (2009), Cengage Learning India Pvt. Ltd. 3 . H. Narayanan, Indian Insurance- A Profile, (2006), jaico Publishing House. 4. Shashidharan K. Kutty, Managing Life Insurance, (2008), Prentice-Hall of India Pvt. Ltd. 5. H. 5. G.N. Bajpai, Marketing Insurance, (2004), Global Business Press.

		6. B. Raman, Selling Life Insurance - The Practical Way, (2009), Macmillan. 7. Insurance Institute of India, Mumbai, IC- 31- Insurance Salesmanship. 8. Bill Donaldson, Sales Management-Theory and Practice, (1998), Palgrave. 9. Padmalatha Suresh & Justin Paul, Management of Banking and Financial Services, Second Ed
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1.पाठ्यचर्याका नाम:भारतीय अर्थव्यवस्था
(Name of the Course) :IndianEconomy

02 पाठ्यचर्याकाकोड: BC 305
(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 044.सेमेस्टर:द्वितीय
(Credit) (Semester): Second

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	05
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	03
कौशल विकास गतिविधियाँ	02
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course) :

- **भारतीय अर्थव्यवस्था के मूल मुद्दे–** यह पाठ्यचर्या के माध्यम से भारत की प्रमुख आर्थिक समस्याओं और उनके समाधानों को समझने के लिए छात्र को सक्षम बनाना और साथ ही यह विषय विकास और विकसितता ,मानव विकास ,राष्ट्रीय आय 1991 की आर्थिक नीति की अवधारणा की समझ प्रदान करने का भी प्रयास करता है।
- **आर्थिक नीति –**यह पाठ्यचर्या के माध्यम से नीति निर्माण ,औद्योगिक नीतियाँ ,1991 से आर्थिक सुधार और अर्थव्यवस्था पर उनके प्रभाव के साथ मौद्रिक और वित्तीय नीतियां बारे मे विश्लेषण एवं चर्चा की जाएगी।
- **विकास और संरचनात्मक परिवर्तन–** यह पाठ्यचर्या के माध्यम से विकास , संस्थागत ढाँचा ,1991 के बाद आर्थिक परिवर्तन के बारे मे छात्रों की समझ विकसित करने मे मदत करेगी।
- **आर्थिक क्षेत्र** – यह पाठ्यचर्या इस बात पर भी बल देती है की छात्रो को अर्थ व्यवस्था के जो प्रमुख क्षेत्र है (कृषि ,उद्योग ,सेवा और वित्तीय) उनका आर्थिक योगदान और समस्याओ के बारे मे अवगत करना।
- **प्रमुख आर्थिक चिंताए–**मुद्रास्फीति ,बेरोजगारी ,श्रम बाजार की अवधारणाओ के माध्यम से छात्रों की विभिन्न आर्थिक आयामो की समझ विकसित करना।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

1. यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चयात अध्येता भारतीय अर्थव्यवस्था एवं प्रमुख मुद्दे ,मानव विकास ,राष्ट्रीय आय की अवधारणाओ को समझ सकेंगे।
2. यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चयात अध्येता 1991 की आर्थिक नीति , भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव और औद्योगिक क्षेत्र का विकास इसके मध्य संबंध समझने के दृष्टि विकसित होंगी।

3. आर्थिक विकास,बेरोजगारी और गरीबी,मानव विकास और पर्यावरणीय चिंताएँ जैसी अवधारणाओ की समझ विकसित होंगी और समस्याओ को दूर करने वाले उपायो के बारे मे चिंतन करने मे भी अध्येता सक्षम होंगे ।
4. अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्र (कृषि ,उद्योग ,सेवा और वित्तीय) उनका आर्थिक विकासमें योगदान और समस्याओ को समझने की दृष्टि विकसित होंगी।
5. यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के बाद अध्ययनार्थी की मुद्रास्फीति,बेरोजगारी ,श्रम बाजार जैसी अवधारणा और समस्याओ का चिंतन करने की दृष्टि विकसित होंगी

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल -1	**भारतीय अर्थव्यवस्था के मूल मुद्दे और विशेषताएं (Basic Issues and features of Indian Economy** • विकास और अविकसितता की अवधारणा और उपाय (Concept and Measures of Development and Underdevelopment)	10	1	1	12	20%

	• मानव विकास (Human Development) • राष्ट्रीय आय और व्यावसायिक संरचना (Composition of national income and occupational structure)					
मॉड्यूल -2	**नीतिव्यवस्था** (Policy Regimes) • औद्योगीकरण को प्रतिस्थापित करने की योजना और आयात का विकास (The evolution of planning and import substituting industrialization) • 1991 से आर्थिक सुधार (Economic Reforms since 1991) • अर्थव्यवस्था पर उनके प्रभाव के	10	1	1	12	20%

	साथ मौद्रिक और वित्तीय नीतियां (Monetary and Fiscal policies with their implications on economy)					
मॉड्यूल -3	**विकास, विकास और संरचनात्मक परिवर्तन (**Growth, Development and Structural Change) • विकास का अनुभव (The experience of Growth) • संस्थागत ढांचा (The Institutional Framework) • 1991 के बाद संस्थागत ढांचे की भूमिका पर नीतिगत दृष्टिकोण में परिवर्तन (Changes in policy perspectives on the role of	10	1	1	12	20%

	institutional framework after 1991) • विकास और वितरण; बेरोजगारी और गरीबी; मानव विकास; पर्यावरणीय चिंताएँ (Growth and Distribution; Unemployment and Poverty; Human Development; Environmental concerns) • जनसांख्यिकीय बाधाएं (Demographic Constraints)					
मॉड्यूल -4	**क्षेत्रीय रुझान और मुद्दे** (Sectorial Trends and Issues) • कृषिक्षेत्र (Agriculture Sector) • उद्योग और सेवा क्षेत्र (Industry and Services	10	1	1		

	Sector) • वित्तीय क्षेत्र **(**Financial Sector				12	20%
मॉड्यूल -5	**मुद्रास्फीति, बेरोजगारी और श्रम बाजार (**Inflation, Unemployment and Labour market) **मुद्रास्फीति (**Inflation) **बेरोजगारी (**Unemployment) **श्रम बाजार (**Labour market)	10	1	1	12	20%
योग		**50**	**05**	**05**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

7. मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
8. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 12 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	**1.**निर्माणवादी उपागम**, 2.** आगमनात्मक उपागम**, 3.**निगमनात्मक उपागम **4.** एकीकृत उपागम**, 5.**चिंतशील, **6.**अंतरानुशासनिक**,** **7.**सहयोगपूर्ण**, 8.** ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	**7.** व्याख्यान-सह चर्चा**, 2.**सहयोगात्मक अधिगम **8.** ऐतिहासिक विधि**, 3.**पृच्छा आधारित अधिगम **4.**संगोष्टी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	**1.** संगोष्ठी/परिचर्चा**, 2.** व्याख्यान-सह-चर्चा, **3.** केंद्रित समूह चर्चा,

	4. परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण, **5.** वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास,
उपादान	**1.**पावर पॉइंट प्रस्तुति, **2.** ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) **3.**लैपटाप **4.**प्रोजेक्टर **5.**स्मार्टबोर्ड **6.** शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य 1**	**लक्ष्य 2**	**लक्ष्य 3**	**लक्ष्य 4**	**लक्ष्य 5**	**लक्ष्य 6**	**लक्ष्य 7**	**लक्ष्य 8**	**लक्ष्य 9**	**लक्ष्य 10**	**लक्ष्य 11**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	X	✓	✓	✓	✓	X	✓	✓

टिप्पणी:

- ✓ पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
  एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05		08	
पूर्णांक	**30**				**70**
उत्तीर्ण अंक	**12**				**28**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	**1. B.C. Ghose: A Study of the Indian Money Market** **2. D.K. Malhotra: History and Problems of Indian Currency** **3. S.B. Gupta: Monetary Economics** **4. M.C. Vaishya: Monetary Economics** **5. M.L. Seth: Money and Banking** **6. K.N. Raj: Monetary Policy of the Reserve Bank of India**
3	ई-संसाधन	**https://www.youtube.com/watch?v=g5i5RLgAy9U** **https://www.youtube.com/watch?v=6K89bQVI1fI** **https://www.youtube.com/watch?v=1KuDRqeA6uI**
4	अन्य	**https://www.indiabudget.gov.in/economicsurvey/doc/echapter.pdf**

1.पाठ्यचर्याका नाम:उपभोक्ता व्यवहार
(Name of the Course) :CustomerBehavior

02 पाठ्यचर्या का कोड: BC 306
(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 044.सेमेस्टर: द्वितीय
(Credit) (Semester): Second

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	45
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	03
कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिटघंटे	60

6. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course) :

- **उपभोक्ता व्यवहार का परिचय (Introduction to Consumer Behaviour) –**परिवर्तन एवं चुनौतियाँ
- **एकव्यक्तिकेरूपमेंउपभोक्ता (The Consumer as an Individual)–**अभिप्रेरणा ,व्यवहार और प्रत्यक्षीकरण।
- **सामाजिकऔरसांस्कृतिकपरिवेशमेंउपभोक्ता (Consumers in their social and Cultural Settings)-**उपभोक्ताव्यवहारपरसंस्कृतिकाप्रभाव।
- **उपभोक्तानिर्णयनकीप्रक्रिया (Consumer Decision Making Process) –** पारिस्थितिकप्रभाव और सूचना अन्वेषन।
- **नैतिक, संगठनात्मकऔरऑनलाइनव्यवहार (Ethical, Organizational and Online Behaviour)**संगठनात्मकक्रयव्यवहार और ऑनलाइनउपभोक्ताव्यवहार।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

1. यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चयात अध्येता उपभोक्ता व्यवहार का मूलभूत परिचय ,परिवर्तन और चुनौतियों के बारे मे जान सकेंके।
2. उपभोक्ता अनुसंधान प्रक्रिया यह अवधारणा के बारे मे चिंतन करने मे भी अध्येता सक्षम होंगे ।
3. उपभोक्ता अधिगम एवं अभिप्रेरणा यह अवधारणाओ को समझने की दृष्टि विकसित होंगी।
4. उपभोक्ताव्यवहारपरसंस्कृतिकाप्रभाव के बारे मे जान सकेंगे।
5. उपभोक्तानिर्णयलेनेकीप्रक्रियासमझ सकेंगे औरसमस्यापहचान करने की दृष्टि विकसित होंगी।
6. विपणननेतिकताऔरसामाजिकजिम्मेदारी के मध्य संबंध जान सकेंगे।
7. ऑनलाइन व्यवहार और इसका सुरक्षित अनुप्रयोग करने मे भी अध्येता सक्षम होंगे ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1उपभोक्ता व्यवहार का परिचय(Introduction to Consumer Behavior)	• उपभोक्ता व्यवहारः परिवर्तन और चुनौतियां (Consumer Behaviour. Changes and Challenges) • उपभोक्ता अनुसंधान प्रक्रिया (The Consumer Research Process) • बाजार विभाजन और सामरिक लक्ष्य (Market Segmentation and Strategic Targeting)	**08**	**01** **01**	**01** **01**	**12**	**20%**

मॉड्यूल-2 **एकव्यक्तिके रूपमेंउपभोक्ता (The Consumer as an Individual)**	• उपभोक्ता अभिप्रेरणा (Consumer Motivation) • व्यक्तित्व एवं उपभोक्ता व्यवहार (Personality and Consumer Behaviour) • उपभोक्ता प्रत्यक्षीकरण (Consumer Perception) • उपभोक्ता अधिगम (Consumer Learning) • उपभोक्ता अभिवृति एवं और परिवर्तन (Consumer Attitude Formation and Changes) • संप्रेषण एवं उपभोक्ता व्यवहार (Communication and Consumer Behaviour)	**10**	**01**	**01**	**12**	**20%**

मॉड्यूल-3 सामाजिक औरसांस्कृतिकपरिवेशमेंउपभोक्ता (Consumers in their social and Cultural Settings)	• पारिवारिकऔर सामाजिकवर्ग (The Family and Social Class) • उपभोक्ताव्यवहारपरसंस्कृतिकाप्रभाव (Influence of Culture on Consumer Behavior) • अंतर-सांस्कृतिकउपभोक्ताव्यवहार: एकअंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य (Cross-Cultural ConsumerBehavior:An International Perspective)	**09**	**01** **01**	**01**	**12**	**20%**
मॉड्यूल-4उपभोक्तानिर्णयनकीप्रक्रिया (Consumer Decision	• पारिस्थितिकप्रभाव	**08**	**01**	**01**		

Making Process)	(Situational Influences) • उपभोक्तानिर्णयलेनेकीप्रक्रियाऔरसमस्यापहचान (Consumer Decision Process and Problem Recognition) • सूचनाअन्वेषण (Information Search) • वैकल्पिकमूल्यांकनऔरचयन (Alternative Evaluation and Selection) • आउटलेटचयन औरखरीद (Outlet Selection and Purchase) • क्रय-पश्चातप्रक्रियाएँ, ग्राहकसंतुष्टि, औरग्राहकप्रतिब		**01**	**01**	**12**	**20%**

	दधता (Post Purchase Processes. Customer Satisfaction, and Customer Commitment)					
मॉड्यूल-5नैतिक, संगठनात्मक औरऑनलाइनव्यवहार (Ethical, Organizational and Online Behaviour)	• विपणननेतिकता औरसामाजिकजिम्मेदारी (Marketing Ethics and Social Responsibility) • संगठनात्मकक्रय व्यवहार (Organizational Busing Behavior) • ऑनलाइनउपभोक्ताव्यवहार (Online Consumer Behavior)	**10**	**01**	**01**	**12**	
योग		**45**	**08**	**07**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

9. मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

10. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 12 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	**1.**निर्माणवादी उपागम**, 2.** आगमनात्मक उपागम**, 3.**निगमनात्मक उपागम **4.** एकीकृत उपागम**, 5.**चिंतशील, **6.**अंतरानुशासनिक**,** **7.**सहयोगपूर्ण**, 8.** ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	**9.** व्याख्यान-सह चर्चा**, 2.**सहयोगात्मक अधिगम **10.** ऐतिहासिक विधि**, 3.**पृच्छा आधारित अधिगम **4.**संगोष्टी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	**1.** संगोष्ठी/परिचर्चा**, 2.** व्याख्यान-सह-चर्चा, **3.** केंद्रित समूह चर्चा, **4.** परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण, **5.** वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास,
उपादान	**1.**पावर पॉइंट प्रस्तुति**, 2.** ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम**,** गूगल मीट) **3.**लैपटाप **4.**प्रोजेक्टर **5.**स्मार्टबोर्ड **6.** शोध पत्र**;** ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो**,** ऑनलाइन कोर्स**,** ब्लॉग**,** गूगल बुक्स**,** विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य 1**	**लक्ष्य 2**	**लक्ष्य 3**	**लक्ष्य 4**	**लक्ष्य 5**	**लक्ष्य 6**	**लक्ष्य 7**	**लक्ष्य 8**	**लक्ष्य 9**	**लक्ष्य 10**	**लक्ष्य 11**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	X	✓	✓

टिप्पणी:

- ✓ पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
  एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					सत्रांत परीक्षा (70%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05		08	
पूर्णांक	**30**				**70**
उत्तीर्ण अंक	**12**				**28**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

1.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Schiffman LG and Kanuk L.L. (2006). Consumer Behaviour, 9th Edition,

		Pearson Education, New Delhi. • Hawkins, D. L. Mothersbaugh, D.L., and Mookerjee, A. (2010) Consumer Behaviour Building Marketing Strategy. Tata McGraw Hill, New Delhi. • Nair, R. Suja (2011). Consumer Behaviour in Indian Perspective, 2 Edition,Himalaya Publishing House, New Delhi.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1.पाठ्यचर्याका नाम:वित्तीय अंकेक्षण

(Name of the Course) :Financial Accounting

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	49
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	06
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**03**
कौशल विकास गतिविधियाँ	**02**
कुल क्रेडिटघंटे	**60**

02 पाठ्यचर्याकाकोड: BC 307
(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 044.सेमेस्टर: द्वितीय
(Credit) (Semester): Second

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course) :

- **वित्तीय अंकेक्षण का परिचय-** अर्थ ,महत्व ,उद्देश्य और अंकेक्षक की भूमिका।
- **अंकेक्षण सिद्धांत(Auditing Principles)-**
- **लेखा परीक्षा की वस्तुएँ -** प्राथमिक एवं द्वितीयक वस्तुएँ
- **लेखा परीक्षा का वर्गीकरण- प्रकार -**वैधानिक ऑडिट कंपनी ऑडिट, ट्रस्टों की ऑडिट
- **सरकार लेखा परीक्षा और वाणिज्यिक लेखा परीक्षा**
- **लेखापरीक्षा योजना-अवधारणा**
- **वाउचिंग परिचयअर्थ ,महत्व ,उद्देश्य और वित्तीय अंकेक्षण में भूमिका**

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

1.यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चयात अध्येता वित्तीय अंकेक्षण का मूलभूत परिचय और चुनौतियों के बारे मे जान सकेंगे।
2.अंकेक्षण की भूमिकाके बारे मे चिंतन एवं अनुप्रयोग करने मे भी अध्येता सक्षम होंगे ।
3.वैधानिक ऑडिट कंपनी ऑडिट, ट्रस्टों की ऑडिट को समझने की दृष्टि विकसित होंगी।
4.रिटर्न आउटवर्ड बुक और रिटर्न इनवर्ड बुक के बीच मध्य संबंध को समझ सकेंगे ।
5.अंकेक्षणकी प्रक्रियासमझ सकेंगे औरउन मे आनेवाली समस्या दूर करने का कौशल विकसित होंगा ।

6.खरेदी पुस्तक और बिक्री पुस्तक के मध्य संबंध के बारे जान सकेंगे।
7.यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात अध्येता सहायक अंकेक्षक की भूमिका निभाने मे सक्षम होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)				कुल पाठ्यचर्या में
		व्याख्या	ट्यूटोरिय	संवाद/प्रशिक्ष		

		न	ल (यदि अपेक्षित हैं)	ण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
मॉड्यूल -1 लेखा परीक्षा:	अर्थ, उद्देश्य और महत्व अंकेक्षण की उत्पत्ति और वृद्धि - का विकास भारत में लेखा परीक्षा - लेखा परीक्षा मुख्य विशेषताएं - दायरा लेखा परीक्षा - बहीखाता पद्धति, लेखांकन और लेखा परीक्षा और के बीच अंतर	**10**	**01**	**01**	**12**	**20%**

मॉड्यूल-2 जांच	• - लेखा परीक्षा की वस्तुएँ - प्राथमिक वस्तुएँ, द्वितीयक वस्तुएँ • लेखा परीक्षा की आवश्यकता - धोखाधड़ी का पता लगाना और रोकथाम - धोखाधड़ी के प्रकार - • धोखाधड़ी का पता लगाना - त्रुटियों का पता लगाना - त्रुटियों के प्रकार - कैसे रोकें • त्रुटियाँ और धोखाधड़ी। • व्यापार और मालिक – • लेखा परीक्षा की सीमा।	**10**	**01**	**01**	**12**	**20%**
मॉड्यूल-3 लेखापरीक्षा कावर्गीकरण :	• **ऑडिट के प्रकार** वैधानिक ऑडिट कंपनी ऑडिट, ट्रस्टों की ऑडिट • **अन्य संस्थानों की लेखापरीक्षा** - निजी	**10**	**01**			

	लेखापरीक्षाबिक्री के खातों की लेखापरीक्षा • **स्वामित्व वाली संस्था,** पार्टनरशिप फर्म के खातों का ऑडिट**,** निजी व्यक्तियों और संस्थानों के खाते –सरकारी लेखापरीक्षा : के उद्देश्य • सरकार लेखा परीक्षा और वाणिज्यिक लेखा परीक्षा – • आंतरिक लेखा परीक्षा - से लेखा परीक्षा के प्रकार • व्यावहारिक दृष्टिकोण - सतत लेखा परीक्षा - के फायदे और नुकसान			**01**	**12**	**20%**
मॉड्यूल 4:लेखापरीक्षा योजना :	• लेखा परीक्षा के दायरे का निर्धारण - लेखा परीक्षा संलग्न मतलब पत्र - ग्राहक तैयारी • लेखा परीक्षकों के लिए - लेखा परीक्षा ज्ञापन - लेखा परीक्षा	**09**	**01**	**01**		

	कार्यक्रम – • ए) एक लेखा परीक्षा की सामग्री कार्यक्रम, बी) एक लेखा परीक्षा कार्यक्रम की अनिवार्यता, सी) लेखा परीक्षा कार्यक्रम के लाभ, डी)लेखा परीक्षाकार्यक्रम के नुकसान, ई) की कमियों को दूर करने के उपाय • ऑडिट प्रोग्राम - ऑडिट नोट बुक - i) ऑडिट नोट बुक की सामग्री, ii) • ऑडिट नोट बुक के लाभ - वर्किंग पेपर्स - वर्किंग का महत्व • कागजात - कागजात के कामकाज की तैयारी के सिद्धांत - कार्य का नियंत्रण • पेपर - वर्किंग पेपर्स का स्वामित्व - वर्किंग पेपर्स की फाइलिंग - फाइलिंग • वर्किंग पेपर्स - ऑडिट की प्रक्रिया।		**01**		**12**	**20%**

मॉड्यूल-**05:**वाउचिंग. परिचय	• - वाउचिंग का अर्थ - परिभाषा - विशेषताएँ और महत्व एवं प्रकार • वाउचिंग का - रूटीन चेकिंग और वाउचिंग के बीच अंतर – • वाउचर की जांच करते समय नोट किया गया सामान्य बिंदु और विशिष्ट बिंदु • विभिन्न खातों की वाउचिंग - कैश बुक की वाउचिंग o **सहायक पुस्तकें –** खरीद पुस्तक, रिटर्न आउटवर्ड बुक, बिक्री पुस्तक रिटर्न इनवर्ड बुक, बिल प्राप्य बुक, बिल देय बिल - वाउचिंग	**10**	**01**	**01**	**12**	**20%**
योग		**49**	**06**	**05**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

11. मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

12. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 12 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	**1.**निर्माणवादी उपागम**, 2.** आगमनात्मक उपागम**, 3.**निगमनात्मक उपागम **4.** एकीकृत उपागम**, 5.**चिंतशील, **6.**अंतरानुशासनिक**,** **7.**सहयोगपूर्ण**, 8.** ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	**11.** व्याख्यान-सह चर्चा**, 2.**सहयोगात्मक अधिगम **12.** ऐतिहासिक विधि**, 3.**पृच्छा आधारित अधिगम **4.**संगोष्टी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	**1.** संगोष्ठी/परिचर्चा**, 2.** व्याख्यान-सह-चर्चा, **3.** केंद्रित समूह चर्चा, **4.** परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण, **5.** वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास,
उपादान	**1.**पावर पॉइंट प्रस्तुति**, 2.** ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम**,** गूगल मीट) **3.**लैपटाप **4.**प्रोजेक्टर **5.**स्मार्टबोर्ड **6.** शोध पत्र**;** ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो**,** ऑनलाइन कोर्स**,** ब्लॉग**,** गूगल बुक्स**,** विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य 1**	**लक्ष्य 2**	**लक्ष्य 3**	**लक्ष्य 4**	**लक्ष्य 5**	**लक्ष्य 6**	**लक्ष्य 7**	**लक्ष्य 8**	**लक्ष्य 9**	**लक्ष्य 10**	**लक्ष्य 11**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	X	✓	✓	✓	✓	✓	X	✓	✓

टिप्पणी:

- ✓ पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

  एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					सत्रांत परीक्षा (70%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05		08	
पूर्णांक	**30**				**70**
उत्तीर्ण अंक	**12**				**28**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

1.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	L. N. Chopde, D.H. Choudhari, Dr. Baban Taywade. Auditing – Sheth Publishers Private Limited, Mumbai. 2) Dr. K. R. Dixit, Auditing – Vishwa Publishers & Distributors, Nagpur

		3) B. N. Tandon, S. Sudharsanam, S. Sundharabahu. Practical Auditing – S. Chand & Company Ltd. 4) S. K. Mehta, Auditing , Diamond Publication Pune
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1.पाठ्यचर्याका नाम:बैंकिंग सेवा

(Name of the Course) :Banking Service

02 पाठ्यचर्याकाकोड: BC 308
(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 044.सेमेस्टर: द्वितीय
(Credit) (Semester): Second

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	47
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	07
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**03**
कौशल विकास गतिविधियाँ	**03**
कुल क्रेडिटघंटे	**60**

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course) :

- **बैंकिंग परिचय -**अवधारणा, आवश्यकता, बैंकिंग क्षेत्रका महत्व एवं समस्याए बैंकर और ग्राहक की परिभाषा।
- **बैंकिंग संगठनात्मकढांचा-** आरबीआई ,एसबीआई और निजी बैंक।
- **बैंकिंग अधिनियम -1949**
- **बैंक जमा, खाते और ग्राहक-**अवधारणा, आवश्यकता, महत्व एवं समस्याए।
- **परक्राम्य लिखत-** अर्थ और परिभाषा विशेषताएँ - जाँच और उसके प्रकार
- **विनिमय बिल–**परिभाषा,विशेषताएं और शामिल पक्ष
- **ऋण और अग्रिम**-अवधारणा, आवश्यकता, महत्व एवं समस्याए।
- **बैंकिंग क्षेत्र के सुधार-**बैंकिंग सेवाएँ ,ई बैंकिंग ,मोबाइल बैंकिंग।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

1.यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चयात अध्येता बैंकिंग क्षेत्र का मूलभूत परिचय एवं समस्याओ के बारे मे जान सकेंगे।

2.बैंक प्रबंधक,ग्राहक और बैंकर्स की भूमिकाके बारे मे चिंतन करने मे भी अध्येता सक्षम होंगे ।

3.केंद्रीय बैंक के संघठनात्मक ढाँचा समझने की दृष्टि विकसित होंगी।

4.आरबीआई ,एसबीआई और निजी बैंक के बीच अंतर को समझ सकेंगे ।

5.बैंक अधिनियम 1949 के कानूनी प्रावधान को समझ सकेंगे औरआनेवाली समस्या दूर करने का कौशल विकसित होंगा

6.ई बैंकिंग ,मोबाइल बैंकिंग के बारे जान सकेंगे और अनुप्रयोग कर सकेंगे ।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1 बैंकिंग का परिचय और कानून।	o भारत में बैंकिंग प्रणाली की संरचना और विशेषताएं ● बैंकिंग क्षेत्र में सुधार ● बैंकर और ग्राहक की परिभाषा ● केंद्रीय बैंककी भूमिका और कार्य – ● विशेष बैंकिंग कानून - बैंकिंग विनियमों के प्रावधान ● आरबीआई की विशेषता – ● बैंकिंग विनियमन अधिनियम	**08**	**01** **01**	**01** **01**	**12**	**20%**

	1949 – ● वाणिज्यिक बैंक कार्य – ● औद्योगिक बैंकिंग बनाम विकासबैंकिंग					
मॉड्यूल-2 बैंक जमा, खाते और ग्राहक	o बैंक खाता खोलने की औपचारिकताएँ ● विशेष प्रकार के ग्राहक ● जमा के प्रकार ● बैंक पास बुक o संग्रहकर्ता बैंकर- o भुगतान करने वाला बैंकर – ● बैंकर ग्रहणाधिकार ● बैंक खातों के प्रकार – ● केवाईसी मानदंड – ● अनिवासी जमा खाता – ● मुद्रा (घरेलू) खाता – ● वरिष्ठ नागरिक	**10**	**01**	**01**	**12**	**20%**

	जमा खाता ● बैंक ग्राहक - साझेदारी					
मॉड्यूल-3 परक्राम्य लिखत	● परक्राम्य लिखत: अर्थ और परिभाषा विशेषताएँ - जाँच और उसके प्रकार ● क्रॉसिंग, पृष्ठांकन ● और सामग्री परिवर्तन ● चेक का संग्रहण और भुगतान - चेक का इनकार या बाउंस होना o विनिमय बिल ● परिभाषा ● विशेषताएं और शामिल पक्ष ● बिल और चेक के बीच अंतर	**10**	**01**	**01**	**12**	**20%**

मॉड्यूल 4:ऋण और अग्रिम	• वाणिज्यिक बैंक द्वारा ऋण और अग्रिम • वाणिज्यिक बैंक की ऋण नीतियां - अवधारणाएं - कर्तव्य और जिम्मेदारियां • संग्रहकर्ता बैंकर का - मूल्य के लिए धारक • नियत समय में धारक • संग्रहकर्ता बैंकर को सांविधिक संरक्षण – • गैर-निष्पादित प्रबंधन (एनपीए) - परिभाषा और अर्थ - एनपीए के प्रकार - कारण - उपचार -	**09**	**01** **01**	**01**	**12**	**20%**
मॉड्यूल 5:भारत में बैंकिंग क्षेत्र के सुधार	• भारत में बैंकिंग क्षेत्र में सुधार: नरसिम्हम समिति की सिफारिशें (चरण- I)	**10**				

	• बैंकिंग सेवाएं:- एटीएम क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, रुपे कार्ड • ई-सेवाएं - ऑन-लाइन / इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, ईएफ़टी (इलेक्ट्रॉनिक)		**01**	**01**	**12**	**20%**
योग		**47**	**07**	**06**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

13. मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

14. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 12 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	**1.**निर्माणवादी उपागम**, 2.** आगमनात्मक उपागम**, 3.**निगमनात्मक उपागम **4.** एकीकृत उपागम**, 5.**चिंतशील, **6.**अंतरानुशासनिक**,** **7.**सहयोगपूर्ण**, 8.** ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	**13.** व्याख्यान-सह चर्चा**, 2.**सहयोगात्मक अधिगम **14.** ऐतिहासिक विधि**, 3.**पृच्छा आधारित अधिगम **4.**संगोष्टी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	**1.** संगोष्ठी/परिचर्चा**, 2.** व्याख्यान-सह-चर्चा, **3.** केंद्रित समूह चर्चा, **4.** परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण, **5.** वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास,
उपादान	**1.**पावर पॉइंट प्रस्तुति**, 2.** ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम**,** गूगल मीट) **3.**लैपटाप **4.**प्रोजेक्टर **5.**स्मार्टबोर्ड **6.** शोध पत्र**;** ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो**,** ऑनलाइन कोर्स**,** ब्लॉग**,** गूगल बुक्स**,** विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10	लक्ष्य 11
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓	X	✓	✓	✓	X	✓	✓

टिप्पणी:

- ✓ पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

  एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					सत्रांत परीक्षा (70%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05		08	
पूर्णांक	**30**				**70**
उत्तीर्ण अंक	**12**				**28**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	

निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Gorden Nataraj, 2016 Banking Himalaya Publication, New Delhi
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Tannan, ML 2015 Banking Law & Practice in India, Indian Law House, New Delhi • Panikar, KK 2015 Banking –Theory System, S.Chand & Co., New Delhi. • Sundharam and Varshney, Banking theory Law & Practice, Sultan Chand & Sons., New Delhi.Mc Graw Hill Publishing Company Ltd, New Delhi
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	